जनता कॉलेज बकेवर द्वारा ग्राम व्यासपुर में किसान गोष्ठी/ किसान प्रशिक्षण आयोजित की गई।

जनता कॉलेज बकेवर द्वारा ग्राम व्यासपुर में आयोजित किसान गोष्ठी/ किसान प्रशिक्षण में संयोजक डॉक्टर एमपी सिंह ने कहा कि किसानों को प्रत्येक कृषि कार्य जैसे खेत की तैयारी बुवाई सिंचाई निराई गुड़ाई फसल सुरक्षा उपाय एवं कटाई समय से करनी चाहिए जिससे उत्पादन अधिक मिलता है। सर्वप्रथम अधिक उपज देने वाली रोग प्रतिरोधक क्षमता रखने वाली प्रजातियों का चयन करना चाहिए इस क्षेत्र में धान के बाद गेहूं की बुवाई की जाती है किसान गेहूं की उन्नतशील प्रजाति जैसे एचडी- 2967, एचडी-32 26, DBW 187 ,DBW 222, देर से बुवाई करने पर पीबीडब्लू 373, मालवीय 234 या गोल्डन हलना प्रजातियों की बुवाई बीज भिगोकर उपचारित करने के बाद करनी चाहिए। क्रांतिक अवस्था पर फसलों की सिंचाई करने के साथ समय से फसल सुरक्षा उपाय अपनाएं। उद्यान विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर एमपी यादव ने बताया कि सब्जी व फलों की खेती करना अधिक लाभकारी है। किसान फूलों वाली खेती व मेडिसिनल फसलों की खेती करके अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं। भूमि संरक्षण विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर पीके राजपूत में बताया कि भूमि को सुरक्षित रखना है तो रसायनों के स्थान पर जैविक खाद का प्रयोग करें साथ ही भूमि को ढकने वाली फैसले व दलहनी फैसले उगाएं। पादप रोग विज्ञान के प्राध्यापक डॉक्टर मनोज यादव ने फसल सुरक्षा उपाय की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि रोग रहित फसल को रखना है तो बीज उपचार आवश्यक है। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता वाली प्रजातियों का चयन करें। गोष्ठी में पशुपालन विभाग की प्राध्यापक डॉक्टर आदित्य कुमार ने पशुओं के लिए संतुलित आहार एवं रोग और उसके निदान की विस्तृत जानकारी दी किसानों के एक प्रश्न में उपस्थित कीट विज्ञान के प्राध्यापक डॉक्टर डीएन सिंह ने बताया कि धान में इस समय आर्मी वर्म कीट अधिक नुकसान पहुंचा रहा है उसके नियंत्रण के लिए पालीडॉल 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से प्रातः काल फसल पर छिड़काव कर दें जिस फसल में यह कीट नहीं लगा है उस खेत के चारों तरफ भी पॉलिडोल छिड़कने से कीट खेत के अंदर प्रवेश नहीं करेगा पाली डाल नहीं मिलने पर मेलाथियान का छिड़काव किया जा सकता है।

अंत में गोष्टी के संयोजक डॉ एमपी सिंह ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं गांव की बहू व्रत किस श्री रामाधारत्रिपाठी जी ने समापन किया।

ग्राम व्यासपुर में किसानों व छात्र-छात्राओं को शिक्षक देते हुए विषय विशेषज्ञ

लोक भारती

व्यासपुर में किसान गोष्ठी आयोजित कर किया गया जागरुक

सब्जी–फलों की खेती अधिक लाभदायक

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

बकेवर,लखना।बकेवर जनता कॉलेज कृषि प्रशिक्षण संयोजक प्रो. डॉ. एमपी सिंह के द्वारा ग्राम व्यासपुर मे किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से खेती की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बुधवार को जनता कॉलेज बकेवर द्वारा ग्राम व्यासपुर में आयोजित किसान गोष्ठी/ किसान प्रशिक्षण में आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से खेती की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण संयोजक प्रो. डॉ. एमपी सिंह ने कहा कि किसानों को

किसान गोष्ठी में जागरु करते

प्रत्येक कृषि कार्य जैसे खेत की तैयारी बुवाई सिंचाई निराई गुड़ाई फसलों पर लगने वाली बीमारियों एवं उसके उपचार व सुरक्षा उपाय कटाई समय से करने जे बारे में जानकारी दी गयी जिससे किसानों को उत्पादन अधिक मिलता है। किसान गेहूं की उन्नतशील प्रजाति जैसे एचडी– 2967, एचडी–32 26, डीबीडब्लू 187 , डीबीडब्लू 222, देर से बुवाई करने पर पीबीडब्लू 373, मालवीय 234 या गोल्डन हलना प्रजातियों की बुवाई बीज भिगोकर उपचारित करने के बाद करनी चाहिए। क्रांतिक अवस्था पर फसलों की सिंचाई करने के साथ समय से फसल सुरक्षा उपाय अपनाएं। उद्यान विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर एमपी यादव ने बताया कि सब्जी व फ्लों की खेती करना अधिक लाभकारी है। किसानों के एक प्रश्न में उपस्थित कीट विज्ञान के प्राध्यापक डॉक्टर डीएन सिंह ने बताया कि धान में इस समय आर्मी वर्म कीट अधिक नुकसान पहुंचा रहा है उसके नियंत्रण के लिए पालीडॉल 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से प्रातः काल फसल पर छिड़काव कर दें जिस फसल में यह कीट नहीं लगा है उस खेत के चारों तरफ भी पॉलिडोल छिड़कने से कीट खेत के अंदर प्रवेश नहीं करेगा पाली डाल नहीं मिलने पर मेलाथियान का छिड़काव आदि की किसानों को जानकारी दी गयी। गोष्ठी संयोजक डॉ एमपी सिंह किसाब रामाधारत्रिपाठी आदि साहित्य सैकड़ो की संख्या में किसान मौजूद रहे।